B.Ed 2nd Sem

13/05/2020
Wednesday

Topic- समावेशी कक्षा प्रबन्धन इकाई-01

Inclusive class Room management

↓

'व्यवस्थित तरीके से विभिन्न कार्यों का संचालन करना'।

कक्षा प्रबन्धन का अर्थ एवं परिभाषा

समावेशी विद्यालय में कक्षा प्रबन्धन के सन्दर्भ में अध्यापक, को विभिन्न कार्य करने पड़ते हैं। जैसे — कक्षा नियोजन, नियन्त्रण, संयोजन एवं सम्प्रेषण व्यवहार को कार्यों के रूप में समझा जा सकता है।

कक्षा प्रबन्धन के सिद्धान्त

1970 में 'जे कौन' ने अपने शोध अध्ययन द्वारा स्पष्ट किया गया, कि कक्षा प्रबन्धन उन तथ्यों अथवा तत्वों पर आधारित है, जिन्हें अध्यापक, कक्षा में उचित अधिगम वातावरण के निर्माण हेतु तथा समस्याओं के समाधान हेतु प्रयुक्त करता है।

कक्षा प्रबन्धन के सामान्य सिद्धान्त

⇒ विद्यार्थियों का अधिक से अधिक समय उत्पादन क्रियाओं में व्यतीत हो।
⇒ कक्षा के नियमों को समझ तथा स्वीकार कर ले, उनका अनुसरण करे।
⇒ अनुशासन सम्बन्धी समस्याओं का सामना कम करना।
⇒ बाह्य तथा आन्तरिक नियन्त्रण का विकास करना।

कक्षा प्रबन्धन के विशिष्ट सिद्धान्त ↓

⇒ विभिन्न प्रयत्नों को प्रोत्साहन दे।
⇒ छात्रों को उनके उत्तरदायित्व का अहसास कराना।
⇒ व्यवस्थित पाठ एवं स्वतन्त्र क्रिया-कलापों का नियोजन किया जाए।
⇒ इसमें विलम्ब व अवरोध कम से कम हो।

कक्षा प्रबन्धन का विस्तार

⇒ भौतिक विस्तार एवं वातावरण।
⇒ सामाजिक तथा सांस्कृतिक विस्तार।
⇒ मनोवैज्ञानिक विस्तार।
⇒ नैतिक व्यवहार एवं मूल्य विस्तार।

Scanned with CamScanner

⇒ भौतिक विस्तार एवं वातावरण।
→ सामाजिक तथा सांस्कृतिक विस्तार।
↓
→ अध्यापक तथा छात्र के मध्य सम्बन्ध।
→ छात्र-छात्र के मध्य सम्बन्ध।
→ अध्यापक एवं प्रधानाचार्य के मध्य सम्बन्ध।
⇒ अध्यापक-अध्यापक के मध्य सम्बन्ध।

3→ मनोवैज्ञानिक विस्तार

4→ नैतिक व्यवहार एवं मूल्य विस्तार।

बाधित बालकों हेतु कक्षा प्रबन्धन

विशिष्ट आवश्यकता वाले बालकों की शिक्षा की प्रमुख बाधा उनकी व्यवहारिक समस्या है, जिससे वे बालकों के मध्य समायोजन स्थापित नहीं कर पाते हैं। शिक्षक को इन बालकों की शिक्षा में दो प्रकार के व्यवहार का सामना करना पड़ता है —

① अनुपयुक्त कक्षा व्यवहार।

② अल्प अध्ययन निपुणता।

कक्षा प्रबन्धन के प्रमुख सिद्धान्त इस प्रकार हैं:—

→ संक्षिप्त लक्ष्यों का चयन।
→ व्यवस्थित प्रबन्धन की स्थापना।
→ छात्रों की उन्नति को पहचानने हेतु व्यवहार को आँकड़ों का आकलन।
→ शिक्षण योग्य सूक्ष्म घटकों में विभक्त करना।

⇒ छात्र व्यवहार सम्प्रेषण ↓

→ कक्षा के नियमों की स्थापना।
⇒ पुनर्बलन प्रदान करना।
⇒ पुनर्बलन अविधि का प्रयोग।
⇒ निविदा का प्रयोग।
⇒ प्रारूप का प्रयोग।
⇒ अनुपयुक्त व्यवहार में कमी।

—End

Scanned with CamScanner